RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 | अंक 2 | जनवरी 2019 | विक्रमी सं. 2075 | मूल्य : एक रुपया

'चलें गाँव की ओर' .....

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा सरस्वती शिशु मन्दिरों में अध्ययनरत महानगरीय जीवन शैली में रह रहे छात्रों को ग्राम्य व जनजाति जीवन शैली की अनुभूति कराने तथा समाज के प्रति संवेदना जगाने के लिए एक त्रिदिवसीय 'अनुभूति शिविर : चले गाँव की ओर' का आयोजन (दिनांक 22 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2018) तक भारत भारती आवासीय विद्यालय जामठी, बैतूल में आयोजन किया गया।

इस अनूठे शिविर में छात्रों को प्रथम दिवस अपनी संस्कृति से परिचय कराने हेतु महापुरुषों के जीवन प्रसंग, सेवा, समर्पण और त्याग से सम्बंधित कथाएँ सुनाई गई तथा भारत भारती, बैतूल में चल रहे प्रकल्पों को दिखाया गया।

दूसरे दिन समाजबोध की दृष्टि से शिविरार्थियों को बैतूल के आस-पास के 15 जनजातीय ग्रामों में ग्राम्य-भारत दर्शन के लिए ले जाया गया। जहाँ छात्रों ने ग्रामीण और जनजातीय जीवनशैली को निकट से देखा। ग्रामों की स्वच्छता, जल प्रबंधन, अपशिष्ट जल द्वारा शाक-सब्जी का उत्पादन देखकर छात्र अत्यधिक प्रभावित हुए। इन ग्रामों में पिछले एक दशक से विद्या भारती के एकल विद्यालय संचालित हैं, जिसके कारण ग्रामों में शिक्षा, सामाजिक समरसता, स्वावलम्बन, जैविक कृषि आदि के प्रति जागृति आई है। बहुत से विद्यार्थी ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार खेत, खलिहान, कुँए, गन्ना व रेशम की खेती देखी।

25 दिसम्बर को समापन में विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जे.एम. काशीपति जी उपस्थित रहे। श्री काशीपति जी ने कहा कि मैं इस शिविर के बारे में देशभर में बताऊँगा। इस प्रकार के शिविर देशभर में चलने चाहिए। हमारी संस्कृति गाँवों में जीवित है। जीवन मूल्यों को व्यवहार में लाना ही संस्कृति है। यह हमें आज भी गाँवों में देखने को मिलती है। इस संस्कृति बोध को हम संजोकर रखें। हमें अपने कैरियर के बारे में सोचते समय हमें अपने ग्रामों के बारे में भी सोचना चाहिए। साथ ही अपना कैरियर बनाते समय हमें देश के बारे में भी सोचना चाहिए।

श्री काशीपति जी ने कहा कि देश बंटने का प्रमुख कारण अपनी देशभक्ति की कमी है। आजादी के बाद भी हमने आधा कश्मीर खोया, चीन ने हमारी सैंकड़ों हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर लिया। बाद के कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को परास्त किया। इसका कारण देशभक्ति और नेतृत्व की इच्छा-शक्ति है। हमारी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और देशभक्तिपूर्ण व्यवहार अपने देश को एक रखेगा। विद्या भारती शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी को यह संस्कार दे रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त प्रचारक श्री अशोक जी पोरवाल ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा भारत गाँवों का देश है, हमारे रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग में आने वाली अधिकांश चीजें गाँवों से आती है। अन्न, सब्जियाँ फल आदि गाँवों में खेतों में पैदा होती है। गाँवों में शहरों जैसी सुविधाएँ नहीं हैं, फिर भी ग्रामीणजन मिलजुल कर रहते हैं। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति एक दूसरे के सहयोग से करते हैं।

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान् के प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री शिरोमणि दुबे ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म भारत में हुआ है। हम अपने जीवन में अपने भारत को जानें। भारत केवल महानगरों की चकाचौंध नहीं अपितु वे लाखों गाँव भी है, जहाँ लोग प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण कर उसके बीच में रहते हैं। जीवन में बड़ा आदमी बनकर केवल सफल होना नहीं अपितु जीवन की सार्थकता तो अपने समाज और देश के लिए जीना है।

प्रान्त के संगठन मंत्री श्री हितानन्द शर्मा ने अनुभूति शिविर की योजना के बारे में छात्रों को बताया कि यह हमारे जीवन के लिए एक विशिष्ट अनुभव होगा। देश की दो तिहाई आबादी गाँवों में रहती है। अगर हमें भारत को समझना है तो पहले गाँवों को समझना होगा।

इस अवसर पर श्री मोहन नागर (सचिव भारत भारती, बैतूल) ने शिविरार्थियों को बैतूल जिले के इतिहास, भूगोल, पुरातत्त्व, पर्यावरण से परिचित कराते हुए बताया कि बैतूल जिला अखण्ड भारत का केंद्र-बिन्दु है। यहाँ की धरती का पानी पूर्व और पश्चिम के दोनों सागरों में जाता है। बैतूल के सामरिक महत्त्व के किलों, गोंड राजाओं के शौर्य तथा खेड़ला किला पर मुकुन्द स्वामी द्वारा रचित मराठी के आद्य ग्रंथ की श्री विवेक सिंधु जी द्वारा जानकारी दी गई।

तीसरे दिन अनुभव कथन के अवसर पर छात्रों ने कहा कि गाँव वालों के स्वागत से हम अभिभूत हो गए। ग्वालियर के छात्र राम ने बताया कि कुछ बातें हम किताबों में पढ़ते हैं उसे हमने बैतूल के गाँवों में प्रत्यक्ष देखी। छात्र ने बताया कि

ग्रामीणों में बहुत ईमानदारी है। कई घरों में दरवाजे नहीं हैं तथा जहाँ दरवाजे हैं वहाँ लोग ताले नहीं लगाते हैं।

छात्र गोपाल विश्वकर्मा, भोपाल ने कहा कि ग्राम की स्वच्छता देखकर हमें बहुत अच्छा लगा। जल प्रबंधन के बारे में गाँव काफी जागरुक है। गाँव में समानता और परस्पर सहयोग की भावना है। हर ग्राम शौचालय युक्त है। बोरी बंधान के द्वारा पानी संग्रहण का प्रयोग अच्छा लगा।

छात्रों ने कहा कि गाँव में हमारा स्वागत भारत माता की जय और वन्देमातरम के साथ हुआ। गाँव के बच्चे बहुत प्रतिभाशाली हैं, अगर उन्हें अवसर मिले तो वे बहुत आगे जा सकते हैं। कुछ ग्रामों को नशामुक्त देखकर विद्यार्थी बहुत प्रभावित हुए।

इस शिविर में मध्यभारत प्रांत के 30 नगरीय विद्यालयों से 162 छात्र और 35 आचार्य तथा प्राचार्य सम्मिलित हुए। इन छात्रों के साथ विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के प्रादेशिक सचिव माननीय मोहनलाल जी गुप्ता, नगरीय शिक्षा के प्रांत प्रमुख श्री रामकुमार भावसार, ग्रामीण शिक्षा के प्रांत प्रमुख श्री रुपेश जी विश्वकर्मा आदि ने भी अनुभव लेते हुए विभिन्न ग्रामों में जाकर स्वयं अवलोकन किया।

चन्द्रहंस पाठक, प्रांतीय प्रचार प्रमुख, भोपाल।

अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता हुआ वृन्दावन में सम्पन्न

विद्याभारती की योजनानुसार प्रतिवर्ष विद्याभारती के विद्यालयों के लिए विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने का दायित्त्व देश के विभिन्न क्षेत्रों को दिया जाता है। इसी योजना के अन्तर्गत वॉलीबाल की अखिल भारतीय प्रतियोगिता की जिम्मेदारी परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर, वृन्दावन, मथुरा को दी गई जिसका उद्घाटन दि. 18 नवंबर 2018 को बड़े ही उत्साहपूर्ण वातावरण में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, खेल समारोह में भाग लेने आए खिलाड़ियों एवं आमंत्रित गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता, अन्तर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी एवं साई (स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) की लीगल एडवाईजर सुश्री गीतांजलि शर्मा ने कहा कि खेलों के माध्यम से जितनी आसानी से मानवीय भावनाओं का विकास होता है, उतना अन्य किसी माध्यम से सम्भव नहीं है। खिलाड़ी जिस प्रकार हार और जीत में अपने मन को नियंत्रण में रखने का अभ्यास करते हैं, वही अभ्यास मानव जीवन को दैवीय गुणों से परिपूर्ण बना सकते है।

इससे पूर्व कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्याभारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी, मथुरा श्री एस.पी. बमनिया एवं परम पूज्य संत श्री हरिबोल महाराज जी ने दीप प्रज्ज्वलन द्वारा समारोह का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, ब्रज प्रान्त के प्रान्त प्रचारक डॉ. हरीश जी ने राष्ट्रीय खेलकूद को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में पहली आवश्यकता बताते हुए कहा कि विद्याभारती राष्ट्रीय शिक्षा के साथ-साथ बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद की शिक्षा पर भी समुचित ध्यान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्याभारती के खेल प्रकोष्ट के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री कृपाशंकर जी शर्मा ने खिलाड़ियों को खेल की भावना का आदर करते हुए पूर्ण कुशलता से खेलने का सन्देश दिया। विद्यालय के घोषदल के साथ विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों ने ध्वज के समक्ष मार्च पास्ट किया तथा सलामी दी। इन्हीं में से एक खिलाड़ी बहन तेजस्विनी ने सभी खिलाड़ियों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी तथा सच्चाई के साथ खेलों में भाग लेने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर परमेश्वरी देवी धानुका विद्यालय के छात्रों श्री रविन्द्र सिंह के निर्देशन में आकर्षक शारीरिक प्रदर्शन प्रस्तुत की गई। श्री कृपाशंकर जी शर्मा ने आगे बताया कि 2016-17 में एस.जी.एफ.आई. गेम्स में 24 स्वर्ण तथा 52 रजत जीतने वाली विद्याभारती ने चमत्कारी प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2018-19 में भी 54 स्वर्ण, 70 रजत तथा 167 कांस्य जीत कर 6ठवाँ स्थान प्राप्त किया जो कि विद्याभारती के विद्यालयों में संचालित खेल संस्कृति के अनुरूप है। प्रधानाचार्य श्री श्यामप्रकाश पाण्डेय ने अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यालय के प्रबन्धक श्री पद्मनाभ गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विद्यालय के पूर्व छात्र सोहन सिंह द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स के जूडो चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्हें भी इस आयोजन समिति ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन विद्यालय के क्रीड़ा प्रमुख श्री सुरेन्द्रपाल सिंह ने किया।

समापन समारोह में विजयी टीमों को मुख्य अतिथि रहे श्री हेमचन्द्र जी (विद्या भारती के राष्ट्रीय खेल प्रभारी) ने ट्रॉफी प्रदान की। कार्यक्रम में श्री कृपाशंकर जी शर्मा, होडल सिंह, आलोक जी, पद्मनाभ गोस्वामी, अमरनाथ गौतम, शिशुपाल सिंह, के.एम.अग्रवाल, देवेन्द्र शर्मा, प्रेम शंकर वैद्य, हरीशंकर जी, पार्षद वैभव अग्रवाल, चन्द्रभान गुप्त, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह, बाँके बिहारी शर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समापन समारोह का संचालन रामकुमार त्यागी ने किया।

प्रतियोगिता में देशभर के 10 क्षेत्रों के भैया-बहिनों ने सहभागिता की। अन्तिम दिन इन क्षेत्रों से आई टीम् के बीच उच्च स्तरीय खेल का नजारा दिखा। कुल 330 भैया, 228 बहिन, 33 संरक्षक आचार्य, 22 आचार्या, 5 अन्य एवं 3 अधिकारी सहित कुल 593 संख्या रही। इसके साथ ही निर्णायकों की संख्या 23, अखिल भारतीय तथा क्षेत्रीय अधिकारियों की संख्या 5 थी। इस प्रकार पूरे आयोजन में कुल संख्या 621 रही।

क्षेत्रशः परिणाम

14 वर्षीय बाल वर्ग -	प्रथम- प.उ.प्र. क्षेत्र,	द्वितीय- मध्य क्षेत्र,	तृतीय- पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र
14 वर्षीय बालिका वर्ग -	प्रथम- प. क्षेत्र,	द्वितीय- द. मध्य क्षेत्र,	तृतीय- दक्षिण क्षेत्र
17 वर्षीय बाल वर्ग -	प्रथम- प.उ.प्र. क्षेत्र,	द्वितीय- प. क्षेत्र	तृतीय- दक्षिण क्षेत्र
17 वर्षीय बालिका वर्ग -	प्रथम- द.म.क्षेत्र,	द्वितीय- प. क्षेत्र	तृतीय- दक्षिण क्षेत्र
19 वर्षीय बाल वर्ग -	प्रथम- द.म.क्षेत्र,	द्वितीय- दक्षिण क्षेत्र	तृतीय- प.उ.प्र. क्षेत्र
19 वर्षीय बालिका वर्ग-	प्रथम- दक्षिण क्षेत्र	द्वितीय- द.म.क्षेत्र,	तृतीय- प.उ.प्र. क्षेत्र

विद्या भारती की क्षेत्रीय क्रियाशोध कार्यशाला भागलपुर में आयोजित

शिक्षण संवर्धन के लिए विषय वस्तु की करें तैयारी : डॉ. रमा मिश्रा

बच्चों में उच्चारण व लेखन की खामियों को दूर करने पर हुई चर्चा, गुणोत्तर शिक्षा देने की बनाई योजना।

विद्या भारती की शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण ईकाई द्वारा दिनांक 24 से 26 नवंबर 2018 तक क्रियाशोध कार्यशाला (Action Research Workshop) का आयोजन आनंदराम ढाँढ़नियाँ सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर (बिहार) में किया गया। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में बिहार, झारखंड एवं उत्तरप्रदेश में संचालित होने वाली सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लगभग 150 की संख्या में प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में उपस्थित प्रधानाचार्यों ने बच्चों में अनुशासनहीनता, विलंब से स्कूल आना, इतिहास विषय में ध्यान केन्द्रीत न होना, आधुनिक हिन्दी विषय में छंद, रस, व अलंकारयुक्त कविताओं का न होना तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के प्रति बच्चों में रुचि कम होने के कारणों पर विचार विमर्श किया तथा गुणोत्तर शिक्षा की कार्ययोजना तैयार की, जिससे कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्या भारती की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ. रमा मिश्रा ने बताया कि बहुत सारे बच्चों के उच्चारण और लेखन में गल्तियाँ होती है। बच्चों में इससे तनाव, अवसाद की समस्या बढ़ रही है। इस तरह की समस्या के समाधान के लिए पाठ्यक्रम में क्रियाशोध आवश्यक है जो कि बच्चों को समूह में कराया जाता है। साथ ही बच्चों में नकल की प्रवृत्ति, कुसमायोजन, गृहकार्य की अनदेखी, कक्षा में अरुचि से संबंधित बातों का पता लगाकर उसका समाधान खोजना भी क्रियाशोध में शामिल है। इसके साथ साथ उन्होंने क्रियात्मक शोध की परिभाषा, महत्व, समस्या का चयन,क्षेत्र, विशेषता, सोपान, परिकल्पनाओं का निर्माण, क्रियान्वयन एवं निष्कर्ष पर विस्तृत रूप से चर्चा की। सभी प्रधानाचार्यों द्वारा शोध पत्र का निर्माण कर 10 समूहों में बांटा गया एवं उसका समाधान निकाला गया।

समापन सत्र में उत्तर पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री दिवाकर घोष ने कहा कि सतत समस्याओं की खोज एवं निदान के बारे में चिन्तन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों एवं चुनौतियों को जब हम स्वीकार करना सीख लेंगे तो कोई भी समस्याएँ आड़े नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि अपनी सफलता के लिए आत्मचिंतन, मंथन और मूल्यांकन करना आवश्यक है।

कार्यशाला में आए सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यशाला में देश के चार क्षेत्रों से कुल 90 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यशाला को कुल 12 सत्रों में सम्पन्न किया गया, जिसमें विद्या भारती के निमंत्रित पदाधिकारी प्रो. रमा मिश्रा (इंदौर), श्री दिवाकर घोष (पटना), श्री देवकी नंदन चौरसिया (भोपाल), श्री राजबिहारी विश्वकर्मा (उ.प्र.), श्री अमरकांत झा (राँची) से उपस्थित हुए। इनके अलावा शोधार्थी श्री संदीप कुमार सिंह (रीजनल इंस्टीच्यूट ऑफ एडुकेशन, भुवनेश्वर), श्री मनोजकुमार मिश्र (प्रधानाचार्य भागलपुर), श्री बजरंगी प्रसाद, प्रो. शैलेश्वर प्रसाद, प्रो. राणा प्रताप जी भी उपस्थित रहे।

मनोज कुमार मिश्र, प्रधानाचार्य भागलपुर।

विद्या भारती पूर्वी उत्तरप्रदेश द्वारा 'कुम्भ दर्शन' कार्यक्रम का प्रयाग में भूमि पूजन से हुआ शुभारम्भ

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा निर्देशित विद्या भारती की पूर्वी उ.प्र. ईकाई ने प्रयाग में कुम्भ दर्शन हेतु दिनांक 03 जनवरी 2018 को प्रयागराज के संगम तट पर (सेक्टर नं. 6 जी.जी.एस.- 01 गंगेश्वर मार्ग, प्रयागराज) वैदिक मंत्रोच्चारण एवं हर्षोल्लास के साथ भूमि पूजन किया। भूमि पूजन में मुख्य यजमान के रूप में स्वामी विवेकानन्द कन्याणी देवी विद्यालय के प्रधानाचार्य विद्याधर द्विवेदी सपत्नी रहे, जो कि सम्पूर्ण 40 दिनों तक चलने वाले कुम्भ दर्शन में व्यवस्थापक के रूप में वहाँ विद्यमान रहेंगे।

इस कुम्भ दर्शन के मुख्य संयोजक श्री विजय उपाध्याय ने बताया कि इस विशाल प्रांगण में लगभग 2000 लोगों के आवास की व्यवस्था की गई है तथा लगभग प्रतिदिन 1500 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि इस कुम्भ दर्शन में उ.प्र. में विद्या भारती की दृष्टि से चारों प्रान्त (गोरक्ष, अवध, कानपुर एवं काशी) के विद्या भारती के अन्तर्गत पढ़ने वाले छात्र, अभिभावक, आचार्य एवं संस्कार केन्द्र के समस्त छात्र अलग-अलग तिथियों में आयेंगे। जो अपने स्वयं के द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के रंगमंचीय कार्यक्रम एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे।

प्रांन्तो के आगमन की तिथियाँ निम्नलिखित हैं -

1. गोरक्ष प्रान्त - 16,17 व 18 जनवरी 2019
2. अवध प्रान्त- 19,20 व 21 जनवरी 2019
3. कानपुर प्रान्त- 22,23 व 24 जनवरी 2019
4. काशी प्रान्त- 27,28 व 29 जनवरी 2019

प्रयागराज महानगर के अन्तर्गत चलने वाले विद्या भारती के समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य, आचार्य, अचार्या एवं महानगर के सम्मानित गणमान्य लोगों का विभिन्न तिथियों में आगमन रहेगा।

इनके अतिरिक्त काशी प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक श्री बाँकेबिहारी पाण्डेय, क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय जी, मंत्री डॉ रघुराज प्रताप सिंह जी, डॉ. अव्यक्त राम जी एवं क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख श्री जगदीश सिंह जी उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत सरकार के शीतकालीन शिविर में विद्या मंदिर के छात्र हुए पुरस्कृत

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स के प्रधानाचार्य के विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत सरकार द्वारा दो विज्ञान के कार्यक्रम 25 दिसंबर से 27 दिसंबर 2018 तक प्रयागराज तथा 28 दिसंबर से 30 दिसंबर 2018 तक लखनऊ में आयोजित हुए। इन दोनों कार्यक्रम में ज्वालादेवी विद्यालय के 6 भैयाओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतिस्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भैयाओं को पुरस्कृत भी किया गया। ज्ञातव्य हो कि इस कार्यक्रम में पूरे उत्तरप्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से विज्ञान वर्ग के मेधावी छात्र सम्मिलित हुए, जिस में ज्वालादेवी विद्यालय के विज्ञान अध्यापक श्री दीपक दुबे भी अपने 6 छात्रों के साथ इस शिविर में सम्मलित हुए। इस शिविर के माध्यम से छात्रों को रसायन, भौतिक एवं जीव विज्ञान के विभिन्न प्रकार के आयामों के नवीन तकनीकियों से अवगत कराया गया, जो कि भविष्य में छात्रों के लिए बहुत ही ज्ञानवर्द्धक और उपयोगी सिद्ध होगी। उत्कृष्ट आने वाले छात्रों को भारत सरकार के विज्ञान अकादमी का प्रमाण-पत्र दिया गया। इससे उत्साहित होकर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के शिविरों का आयोजन होते रहना चाहिए, जिससे वो सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित कर सकें।

इस शिविर में पुरस्कृत होने वाले छात्र अभिषेक कुमार सिंह, हर्षित कुशवाहा, पीयूष श्रीवास्तव, शिवम साहू, आयुष कुमार, आशीष शर्मा रहे।

विद्यालय प्रधानाचार्य।

बहनों का 'उड़ान' शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

अदानी पावर प्लान्ट कवाई, छबड़ा (राजस्थान)

आदर्श विद्या मंदिर बालिका विद्यालय और उड़ान गेट इन्सपायर्ड अदानी फाउन्डेशन कवाई के संयुक्त तत्वावधान में शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें थर्मल पावर प्लान्ट के वरीष्ठ अधिकारी श्री जयद्वीप जी चारण, श्री रामचरण जी, श्री आशुतोष जी चौधरी द्वारा सभी को कोयले से बिजली का उत्पादन कैसे होता है, कोयला कहाँ से आता है, कैसे प्लांट प्रदुषण रहित किया जाता है, पानी के प्रदुषण को रोकना, सारे प्रोजेक्ट की जानकारी बारिकी से दी गई एवं पूरे प्लांट का भ्रमण कराया गया। प्लांट के निदेशक द्वारा संस्थान के प्रधान श्रीमती मनोरमा शर्मा को पुष्प देकर स्वागत किया गया। बहनों का उड़ान कार्यक्रम ज्ञानवर्धक व आनन्दमय रहा। पूरे समय संरक्षक के रूप में स्थानीय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष श्री ओम जी पारीक का सानिध्य प्राप्त हुआ। छात्रा विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य, सभी आचार्य एवं आचार्याओं ने उड़ान कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। प्लांट के वरीय पदाधिकारी श्री जयद्वीप जी चारण ने विद्यालय को धन्यवाद दिया एवं सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट व टोपी भेंट की।

समाज तक अपनी बात पहुँचाने का माध्यम है मीडिया का प्रयोग

- श्री अवनीश भटनागर

भोपाल (म.प्र.) हमें किसी भी कार्य को करने के लिए उसमें उतरना पड़ता है, हम अच्छा कार्य करें उसकी सुगंध समाज में फैले। गुरुजी के अनुसार मेरा स्वयंसेवक ही मेरा प्रचार है। जो लोग समाज के बारे में सोचने की विचारधारा रखते हैं, जिनकी समाज सुनता है, उनकी मानता है। उन्हें ओपीनियन मेकर कहते हैं। उक्त बातें विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री अवनीश भटनागर ने प्रचार-विभाग मध्यक्षेत्र की दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। उन्होंने अन्य विषयों पर भी प्रकाश डालते हुए इनके श्रेणियों की व्याख्या की।

इनकी प्रमुख श्रेणी हैं -

1. अकादमिक- जिसमें कुलपति से लेकर ग्राम शिक्षक,

2. बुद्धिजीवी- जिसमें वकील, डॉक्टर, इन्जीनियर, न्यायाधीश और सामाजिक संगठन के पदाधिकारी,

3. मीडिया - जिसकी पहुँच हमारे घर तक है, इसके अतिरिक्त धर्म आधारित संस्था, आध्यात्मिक संस्था और जाति आधारित संस्था के प्रमुखों द्वारा कही गई बात सब मानते हैं। इनके माध्यम से हमारे द्वारा किए गए कार्य को समाज से परिचित कराना ही हमारा उद्देश्य है।

कार्यशाला के उद्घाटन की अध्यक्षता कर रहे भोजमुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जयन्त सोनवलकर ने कहा कि वर्तमान युग में ज्ञान प्रबंधन सफलता का प्रथम सूत्र है। हम जो कार्य करें, उसे जनमानस तक जरूर पहुँचाएं। अनुभव से सीखना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जिस क्षेत्र में हम कार्य करें, उसकी सम्पूर्ण जानकारी हमें होना चाहिए। सामूहिक प्रयास और साहसिक नेतृत्व, सम्प्रेषण कला, टीम भावना से किया गया कार्य सफलता तो दिलाता ही है, समस्याओं का निदान भी करता है।

कार्यक्रम में डॉ. गोविन्द प्रसाद शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्या भारती), श्री भालचन्द्र रावले (क्षेत्रीय संगठनमंत्री), श्री हितानंद शर्मा (प्रांतीय संगठनमंत्री), श्री मोहनलाल गुप्त (प्रादेशिक सचिव), जितेन्द्र सिंह एवं विभिन्न समाचार पत्रों के पत्रकार उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजेन्द्र सिंह परमार (निदेशक, प्रांतीय प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल) एवं आभार कार्यक्रम के संयोजक श्री चन्द्रहंस पाठक (प्रांतीय प्रचार प्रमुख) ने किया।

चन्द्रहंस पाठक प्रांतीय प्रचार प्रमुख, भोपाल

ज्वाला देवी सर. विद्या मन्दिर में आयोजित हुई विद्वत परिषद् गोष्ठी

बालकों के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करने की दृष्टि से तथा छात्रों पर क्रिया आधारित शिक्षा जैसे विषय पर मंथन हेतु विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के साथ दिनांक 02 जनवरी 2019 को विद्यालय प्रांगण में विद्वत परिषद् गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी रखते हुए मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए बाल-केन्द्रित शिक्षा होनी चाहिए। अध्यापक एवं अभिभावक को बालक की रुचि एवं स्थिति की पहचान करके उसे दिशा-दशा देनी चाहिए, उस पर जबरदस्ती का बोझ लादकर उसकी दिशा तय नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राम सेवक जी ने कहा कि बाल-केंद्रित शिक्षा में बालकों के प्रयोग एवं अनुसंधान को आकर्षित करने के लिए भी मनोविज्ञान का सहारा लिया जाता है। विभिन्न परिस्थितियों में नई समस्याओं को सुलझाने के लिए शिक्षक को अलग-अलग प्रयोग करने चाहिए। उससे निकलने वाले निष्कर्षों का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा अन्य विद्वतजनों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, संतुलित व प्रगतिशील विकास है, शिक्षा उन सर्वश्रेष्ठ गुणों को विकसित करती है, जो बालक के शरीर, मस्तिष्क एवं आत्मा में विद्यमान होती है।

गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या भारती काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक श्री बाँके बिहारी पाण्डेय, अध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर एवं संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राम सेवक दुबे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख श्री विजय उपाध्याय तथा सरवार इण्टर कॉलेज प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ. मोरार जी त्रिपाठी एवं अन्य गणमान्य विद्वतजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री पवन दीक्षित ने आए हुए समस्त विद्वतजनों का आभार ज्ञापन किया।

एन.सी.ई.आर.टी. की गणित विषय की कार्यशाला में विद्या भारती की सहभागिता

एन.सी.ई.आर.टी. की केन्द्रीय ईकाई ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जयंती पर 7वाँ राष्ट्रीय गणित शिक्षा कार्यशाला दिल्ली में (दिनांक 20 से 22 दिसंबर 2018) आयोजित किया। इस सम्मेलन में एन.सी.ई.आर.टी. के आमंत्रण पर विद्याभारती के 05 गणित विषय के विषेशज्ञों की सक्रिय सहभागिता हुई। कार्यशाला में सहभागिता के दौरान शासकीय सेवारत प्रतिभागी, जिनसे परिचय व सम्पर्क हुआ उनमें 01 पूर्व आचार्य, 02 पूर्व छात्र व 02 विषय विशेषज्ञ थे।

कार्यशाला में सहभागिता के दौरान विद्या भारती के चार गणित विषय के विषेशज्ञों ने वैदिक गणित से संबंधित विषयों पर अपने-अपने पत्र प्रस्तुत किए। जिनमें श्री अमरबर खटुआ (ओड़िशा) का 'विश्व की विभिन्न सभ्यताओं में गणित', श्री नीलेश चित्रे (पूणे) का 'प्राचीन भारतीय गणित : वैदिक गणित', श्री प्रसन्न कुमार साहू (ओड़िशा) का 'गतिविधि आधारित गणित शिक्षण' एवं श्री राकेश भाटिया (हरियाणा) का 'गणित शिक्षण में गणित मेला की गतिविधियाँ व वैदिक गणित' विषय था।

श्रीनिवास रामानुजन के जीवन-वृत्त पर आधारित उड़िया गीत श्री प्रसन्नकुमार साहू द्वारा प्रस्तुत किया गया। भारत में गणित की उज्ज्वल परंपरा विषय पर प्रदर्शनी के 20 चार्ट लगाए गए। प्रतिभागियों ने इसमें रूचि ली, चार्ट्स के चित्र लिए व चार्ट प्राप्ति हेतु सम्पर्क सूत्र भी लिया।

विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर के क्रम में यह पूछा गया कि भारतीय गणित पर इतनी श्रेष्ठ सामग्री है तो इसे पाठ्यक्रम में शामिल करने की क्या योजना है? यह एन.सी.ई.आर.टी. के लिए विचारणीय रहा। श्रीनिवास रामानुजन जयंती (गणित दिवस) पर एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में सम्मिलित होना विद्या भारती के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरक व सुखद अनुभूति देने वाला रहा।

देवेन्द्रराव देशमुख, राष्ट्रीय संयोजक, वैदिक गणित।

गीता निकेतन के नन्हें वैज्ञानिकों ने मारी इंस्पायर मानक अवॉर्ड में बाजी

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा के विज्ञान एवं तकनीकि विभाग प्रतिवर्ष विद्यालयीन छात्रों में विज्ञान एवं तकनीकि के विकास व उसमें रुचि बढ़ाने हेतु इंस्पायर (इनोवेशन इन साईस परस्यू फॉर इंस्पायर रिसर्च) प्रतियोगिता का आयोजन करता है। वर्ष 2018 में भी एस.सी.ई.आर.टी. के द्वारा यह प्रतियोगिता गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल दस लाख आवेदन प्रांत से आए। इनमें से चयनित शीर्षस्थ आवेदनों में विद्या निकेतन के दो छात्र अभिनव एवं चिन्मय क्रमशः कृषि क्षेत्र में उपयोगी रोबोट तथा आपातकालीन परिवहन व्यवस्था हेतु मॉडल निर्माण के लिय चयनित हुए। इसके लिए विद्यालय के इन नन्हें वैज्ञानिकों को इंस्पायर मानक अवार्ड के अन्तर्गत दस-दस हजार रुपये की धनराशि का चेक प्रदान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री नारायण सिंह ने दोनों छात्रों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय संवाददाता

जलता हुआ दीपक ही दूसरे दीपक को प्रज्वलित कर सकता है

देशभर में शिक्षकों के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा का सफल आयोजन, अब तक परीक्षा में 9,45,844 शिक्षक कर चुके हैं प्रतिभागिता।

जलता हुआ दीपक ही दूसरे दीपक को प्रज्वलित कर सकता है। इसी उद्देश्य को लेकर विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान ने दिनांक 15 दिसंबर 2018 (शनिवार) को संपूर्ण देश में शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूरे भारतवर्ष में एक साथ संपन्न हो पाना विद्या भारती जैसे गैर सरकारी संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। संस्थान का मुख्यालय हरियाणा प्रांत के कुरुक्षेत्र में स्थित है। अत: सभी कुरुक्षेत्रवासियों के लिए भी यह गौरव का विषय है।

संस्कृति शिक्षा संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि शिक्षकों के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन वर्ष 1985 से प्रारम्भ हुआ था। प्रथम वर्ष इस परीक्षा में 3,000 शिक्षकों ने भाग लिया था। किन्तु यह परीक्षा धीरे-धीरे लोकप्रिय होती चली गई और अब तक इस परीक्षा में 9,45,844 शिक्षक प्रतिभागिता कर चुके हैं। आने वाले वर्षों में और व्यापक रूप से इसका विस्तार होगा। डॉ. रामेन्द्र सिंह ने जिला, राज्य एवं क्षेत्र प्रमुखों की देखरेख में विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई इस परीक्षा के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी जनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

डॉ. रामेन्द्र सिंह

बी. वी. के. जूनियर कॉलेज में गीता जयंती का हुआ आयोजन

विद्या भारती आंध्रप्रदेश के भारतीय विद्या केन्द्रम, विशाखापट्नम समिति स्थित बी.वी.के. जूनियर कॉलेज, द्वारका नगर में दिनांक 18 दिसंबर 2018 को गीता जयंती का आयोजन किया गया। इसके उपलक्ष्य में लगभग 900 छात्र-छात्राओं ने श्रीमद्भगवद गीता के द्वादश अध्याय भक्तियोग का सामूहिक रूप से पाठन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कभंमपारी पार्वती कुमार जी (World Teacher Trust) के अध्यक्ष रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहे। कर्तव्य के लिए प्रतिबद्ध हो, तभी वह अपने जीवन में उच्चतम स्थिति पर पहुँच सकता है। सत्कर्म ही व्यक्ति को श्रेष्ठता हासिल कराता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को प्रतिदिन स्वयं से बातें करना चाहिए। जब वह अपने अन्दर निहित परमात्मा से बातें करेगा, तभी वह जीवन में सद्मार्ग पर चल सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय विद्या केन्द्रम समिति के अध्यक्ष प्रो. ए. नारायण स्वामी ने किया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारतीय विद्या केन्द्रम में पहले से ही इस प्रकार के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहें हैं जो विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को बढ़ाने में यहायक हैं। इस कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. कृष्ण वेणी एवं अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

समुत्कर्ष के विशेष सत्र में पधारे मा. सह सरकार्यवाह जी

समुत्कर्ष के विशेष सत्र में दिनांक 29 दिसंबर 2018 को जबलपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. दत्तात्रेय होसबले जी का मार्गदर्शन अध्ययनरत प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ। साथ में श्री रंगराजे जी प्रांत प्रचारक महाकौशल एवं श्री विष्णुदत्त शर्मा (प्रदेश महामंत्री भाजपा), डॉ. पवन तिवारी (संगठन मंत्री महाकौशल) उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो कि समुत्कर्ष महाकौशल के पूर्वछात्रों द्वारा भारत सरकार के संघ लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न प्रशासनिक पदों पर भर्ती हेतु अध्ययनरत छात्रों का मार्गदर्शन करता है। समुत्कर्ष के ही एक अन्य सत्र में दिनांक 31 दिसंबर को सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में डी.एस.पी. रीवा श्री राजीव पाठक का छात्रों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। श्री राजीव पाठक बहुत ही कम उम्र से ही कठिन परिश्रम एवं धैर्य से प्रथम प्रयास में ही मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर वे रिवा में डी.एस.पी. के पद पर आशीन हैं। वे विद्या भारती सहित हम सभी के लिए गौरव का पात्र हैं।

प्रवीण तिवारी, मीडिया प्रभारी

शिक्षा में मूल्यबोध बढ़ाने हेतु प्रांतीय शैक्षिक गोष्ठी आयोजित

बिहार के सीतामढ़ी में रिंग बांध स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में लोक शिक्षा समिति द्वारा 'शिक्षा में मूल्यबोध' विषय पर एक शैक्षिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्घाटन लोक शिक्षा समिति के प्रदेश सह सचिव श्री अजय कुमार तिवारी, विद्वत परिषद् के क्षेत्र प्रमुख श्री रामदयाल शर्मा, स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामचन्द्र मंडल व डुमरा प्रखंड शिक्षा अधिकारी श्री अमरेन्द्र पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के पश्चात गोष्ठी को संबोधित किया। मुख्य अतिथि व लोक शिक्षा समिति के सह सचिव श्री अजय कुमार तिवारी ने कहा कि इस प्रकार के विचार गोष्ठियों के द्वारा पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में घटते नैतिक मूल्यों की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए शिक्षा में मूल्यबोध को बढ़ावा देना है।

क्षेत्र प्रमुख ने कहा कि आज की शिक्षण पद्धति व पाठ्य पुस्तकों में कई प्रकार के सुधार व मूल्यबोध को लाने की आवश्यकता है। हम अपने महापुरुषों को भूलते जा रहे हैं, जिनकी जीवनी निश्चय ही हमारे बच्चों में अच्छे संस्कार व स्वस्थ मानसिकता का विकास कर सकता है।

विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष श्री राम नरेश ठाकुर, सेवानिवृत्त शिक्षक श्री गंगाधर झा, मथुरा उच्च विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री जे.एन. मिश्रा, पी.आर.डी. कॉलेज के हिन्दी प्राध्यापक श्री फणीन्द्र चौधरी, एम.आर.डी. बालिका उच्च विद्यालय के पूर्व प्राचार्य श्री मिलिन्द ठाकुर, गोयनका कॉलेज की प्राध्यापिका प्रो. रेणु ठाकुर व सेवानिवृत्त शिक्षक कमलाकर झा समेत अन्य ने भी संबोधित किया। प्राचार्य शंभुशरण तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। गोष्ठी का संचालन आचार्य श्री विद्यानंद झा ने किया।

मालवा में प्रांतीय कार्यालय सम्राट विक्रमादित्य भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

बाबा महाकाल की नगरी, योगीराज श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली, बुद्धिदाता प्रथम पूज्य श्री गणेश जी के धाम चिन्तामण मार्ग, उज्जैन में विद्या भारती की प्रांतीय समिति सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत के प्रांतीय कार्यालय ''सम्राट विक्रमादित्य भवन'' का निर्माण करने हेतु दिनांक 14 दिसंबर 2018 को महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान परिसर में भूमि पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में मा. गोविन्द प्रसाद जी शर्मा (अध्यक्ष, विद्या भारती अ.भा.शि. संस्थान) ने कहा कि 'सम्राट विक्रमादित्य भवन' से जुड़े सभी लोग साधुवाद के पात्र हैं। वर्तमान शिक्षा कैरियर, जॉब से जुड़ी है, संस्कार से नहीं। यह शिक्षा समाज में चेतना उत्पन्न नहीं कर सकती। विद्या भारती के विद्यालयों में प्रार्थना, भोजन मंत्र, कक्षों के नाम राष्ट्रभक्तों के नाम से रखे जाते हैं, अनेक खेल, संस्कृति आधारित कार्यक्रमों आदि के माध्यमों से राष्ट्र चेतना जागरण का कार्य कर रही है। जनजाति, तटवर्ती, सीमावर्ती व लेह लद्दाख से लगाकर अंडमान तक कई दुर्गम स्थानों पर राष्ट्रभक्ति युक्त शिक्षा देने का कार्य (विद्या भारती) कर रही है। हमारे द्वारा संचालित एकल विद्यालय एवं संस्कार केन्द्र के माध्यम से समाज के उपेक्षित एवं वंचित वर्ग को संस्कारयुक्त शिक्षा दी जा रही है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री अशोक जी साहनी (मा. क्षेत्र संघचालक, मध्य क्षेत्र) ने कहा कि कार्यक्रम की रचना से कई गुणा श्रमसाध्य कार्य सम्पन्न करने में लगता है। ये जो कार्य है, ईश्वरीय कार्य है। इस कार्य के लिए हमारे साथ समाज का सद्भाव, सहयोग व विश्वास जुड़ा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महंत पीर योगीनाथ जी महाराज, विशेष अतिथि मा. श्रीराम जी अरावकर (रा. सह संग. मंत्री), भवन के लिए भूमि प्रदानकर्ता श्री राधे-राधे श्याम बाबा, श्री कांतिलाल जी बम (चेयरमैन, आईकान एजुकेशन सोसायटी, इंदौर), विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमा मिश्रा जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद्र जी रावले, श्री शशिकांत जी फड़के (सह संगठन मंत्री, बिहार) के साथ समिति के सभी पदाधिकारियों सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की भूमिका डॉ. कमल किशोर चितलांगिया (कार्यालय निर्माण सयोजक) ने रखी। प्रांत प्रमुख श्री ओमप्रकाश जांगलवा ने संगठन की रूपरेखा प्रस्तुत किया। उक्त भवन निर्माण हेतु समाज के दानदाताओं के नाम की घोषणा भी की गई एवं भवन का 3डी डिजाईन व मॉडल प्रस्तुत किया गया। वंदेमातरम गान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

ओमप्रकाश जांगलवा, प्रांत प्रमुख मालवा प्रांत।

विद्या भारती महाकौशल की प्रांतीय प्राचार्य सम्मेलन

आधुनिक शिक्षा पद्धति से समाज का नुकसान हो रहा है, इसलिए गुरुकुल शिक्षा को एक बार फिर से मुख्यधारा में स्थापित करना होगा, जिससे मैकाले पुत्र नहीं महर्षि पुत्र का निर्माण हो सके। संस्कारित, आध्यात्मिक एवं राष्ट्रवादी शिक्षा का संकल्प लेकर जन जन तक अपने लक्ष्य को पहुँचाने हेतु दृढ़ संकल्प विचारों के बीच विद्या भारती महाकौशल की प्रांतीय प्राचार्य बैठक नागौद में संपन्न हुई। यह बैठक दिनांक 23 से 25 दिसंबर 2018 तक चली। इस सम्मेलन में प्रांत के 200 प्राचार्य सम्मिलित हुए। सम्मेलन में विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर, डॉ. पवन तिवारी संगठन मंत्री महाकौशल, डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, श्री सियाराम गुप्ता, श्री रविशंकर शुक्ल, श्री पुरुषोत्तम नामदेव जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में स्थानीय विद्यालय के प्रबंधन समिति के सचिव, पूर्व छात्र श्री चंदन अग्रवाल एवं अन्य वरीष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रवीण तिवारी, मीडिया प्रभारी

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 January, 2019
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 January, 2019

Teacher Training Workshop Organized by Bhartiya Shiksha Samiti J&K

The ten days "Teacher Training Orientation Workshop" of the winter zone schools of vidya bharti was organized by state unit i.e Bhartiya Shiksha Samiti J&K from 20th to 30th December, 2018 at Bhartiya Vidya Mandir, high school Ramban. Sh. Vijay Singh Nadda (Joint organising secretary, Vidya Bharti north zone) was the chief guest on the occasion. Dr. Mohan Lal Sharma patron of the school presided over the programme. Sh. Rajinder Kumar ji prachaar pramukh vidya bharti north zone was the special guest on the occasion. Sh. Neeraj Kumar Sysodiya chief editor, India Times, Jalandhar, senior citizens & education fraternity of Ramban were present on the occasion. Sh. Pradeep Singh Ji, programme incharge presented the welcome address and highlighted the main aim of the training programme & introduced the hon'ble guests with trainee teachers.

In this programme 30 selected teachers from ten vidya mandirs schools of Kishtwar, Bhaderwah & Ramban zone were given special orientation on disaster management, School Records,Vedic Mathematics, Science, Hindi, S.St, Physical education, Yoga, Music, Sanskrit, Moral & Spiritual education & rich cultural diversity of Bharat & J&K. Dr. Mohan lal ji, in his presidential address hailed the efforts of Bhartiya Shiksha Samiti J&K in organizing such orientation programmes in which the stress is laid on the aim & objectives of Vidya Bharti thought & current trends of education. He also said that a teacher has the sole responsibility of transforming the young minds into well developed human beings by his own mission & vision.

Sh. Vijay Singh Nadda said, that Teacher is the Nation Builder, Transformer, Thinker, Advisor and a Missionary worker. Vidya bharti work & develop the teachers on such challenges & also prepare them for the overall development of students. He also said that the teacher has to keep in mind that he is the planner, designer & not a paid worker or servant. He also said that Vidya bharti is running more than 13,000 schools all over the country on the aim to develop the society on rich national and cultural aspect and work for the downtrodden, tribal and slum children which will face the modern challenges of the society. As the present day childrens are extra-ordinary due to the explosion of knowledge, they have more thirst of psychological & other relevant effects & results of different topics in education.

For this purpose these teacher training programmes have the special significance. Sh. Pradip Singh, Sh. Pradeep Tripathi & Sh. Kishori Lal Parihar were the coordinators of the Programme. Sh. Pradip Singh Ji presented the Diploma certificates to all participants & said that this programme is the routine activity of the Society. Sh Pradip Tripathi, Prant Nirikshak of the Samiti announced the results of the programme and honoured the first three position holders. All other trainee teachers were also presented the diploma certificates by hon'ble guests. The programme ended with Vandematram.

Sameer Saproo,
Bhartiya Shiksha Samiti J&K

विद्या भारती के विद्यालय सामाजिक चेतना के केन्द्र बने - हर्ष कुमार

विद्या भारती शिक्षा संस्थान इकाई बाराँ (राजस्थान) के तत्त्वावधान में एक दिवसीय कार्यकर्त्ता दिशा बोध वर्ग का आयोजन 27 दिसम्बर 2018 को स्वामी विवेकानन्द विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय परिसर अर्जुन विहार, मांगरोल बाईपास रोड में सम्पन्न हुआ। पंजाब से आए विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के सेवा प्रमुख मा. हर्ष कुमार ने कहा कि समाज निर्माण में हमारी रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए। विद्या भारती के विद्यालय सामाजिक चेतना के केन्द्र बने, विद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में समाज व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध कराना वर्तमान समय की आवश्यकता है। नई पीढ़ी को संस्कारित करना विद्यालयों की नैतिक जिम्मेदारी है। विद्या भारती अपने विद्यालयों को जन जागरण का केन्द्र बनाकर सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य कर रही है। विद्या भारती का लक्ष्य बालकों का सर्वांगीण विकास कर राष्ट्र-भक्ति से ओत-प्रोत शिक्षा देना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रान्त सेवा प्रमुख श्री गजानन्द नागर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रामीण शिक्षा के प्रान्त प्रभारी श्री मदन सिंह हाड़ा उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथि का स्वागत विद्यालय के सचिव श्री अशोककुमार योगी व श्री ओमप्रकाश शर्मा ने स्मृति-चिन्ह देकर किया।

इस वर्ग में विद्या भारती से सम्बद्ध छात्र-संसद, कन्या-भारती, विद्यालय समिति, आचार्य परिवार व जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी ने भाग लिया।

राजेन्द्र कुमार शर्मा, सचिव विद्या भारती, बाराँ।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013